IUJ in Press

क्विक बाइट्स

इक्फाई विवि में जातीय दिवस 2023 का आयोजन

रांची. इक्फाइ विवि में भारतीय जातीय दिवस 2023 मनाया गया. मौके पर बिरसा शिशु मंदिर स्कूल, सिमलिया के ग्रामीण छात्रों ने भी पारंपरिक परिधानों में कार्यक्रम प्रस्तुत किया. केएल विवि के पूर्व चांसलर डॉ जीएल दत्ता और ग्लोबल ट्राइबल क्वीन कॉन्टेस्ट 2022 की विजेता पूजा लकड़ा उपस्थित थे. कार्यक्रम का विषय स्मार्ट भारतीय की तरह पोशाक और एक पुरस्कार जीतें.. रखा गया था. एथनिक राउंड में नेहा प्रिया (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर), सत्येंद्र पांडे (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर) और अभिमन्यु (बीबीए-एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर) को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले. शो योर टैलेंट प्रतियोगिता में ऋतिका (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर), स्नेहा कौर (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर) और आयुष जायसवाल (बीटेक चतुर्थ सेमेस्टर) को क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा पुरस्कार मिला.

प्रभात खबर Sat, 04 February 2023 https://epaper.prabhatkhabar.c

इक्फाई विश्वविद्यालय में भारतीय जातीय दिवस 2023 का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में भारतीय जातीय दिवस 2023 मनाया गया। इसमें सभी कार्यक्रमों के एचओडी, फैकल्टी और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर बिरसा शिशु मंदिर स्कूल, भिटटोली, सिमालिया के ग्रामीण छात्रों ने भी सुंदर पारंपरिक परिधानों में कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ जीएल दत्ता, प्रतिष्ठित शिक्षाविद और पूर्व चांसलर, केएल विश्वविद्यालय और पूजा लाकड़ा, विजेता, ग्लोबल ट्राइबल क्वीन कॉन्टेस्ट 2022 कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम का विषय था एक स्मार्ट भारतीय की तरह पोशाक और एक पुरस्कार जीतें। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की छात्रा ऋतिका, बीसीए द्वितीय सेमेस्टर द्वारा दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना नृत्य प्रदर्शन के साथ हुई।

कार्यक्रम में अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने युवाओं के बीच भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, डॉ जीएल दत्ता ने कहा कि एक ऐसे अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए बहुत खुशी हो रही है जो भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और संरक्षित करने से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों से जुड़े परिधानों में लिपटे छात्रों को देख कर अच्छा लगता है। उन्होंने ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की, जो मानवीय मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा को सक्षम बनाता है।

पूजा लाकड़ा ने ग्लोबल ट्राइबल क्वीन 2022 प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया, यह मेरे लिए एक भावनात्मक अवसर है। मुझे वैश्विक मंच पर झारखंड की जनजातीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है, जिसने मुझे 2022 में भारतीय जनजातीय रानी प्रतियोगिता का विजेता बनाया। छात्रों द्वारा अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एथनिक वियर राउंड, शो योर टैलेंट और जैमिंग एंड सिंगिंग जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की। एथनिक वियर राउंड में प्रतिभागियों द्वारा पंजाब, यूपी, बिहार, बंगाल, झारखंड, ओड़िशा आदि के पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिताओं का एक जूरी द्वारा किया गया था और विजेताओं को मान्यता के पुरस्कार दिये गये थे। एथनिक राउंड में, शीर्ष तीन पुरस्कार क्रमशः नेहा प्रिया (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर), सत्येंद्र पांडे (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर) और अभिमन्यु (बीबीए-एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर) को मिले। शो योर टैलेंट प्रतियोगिता में, ऋतिका (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर), स्नेहा कौर (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर) और श्री आयुष जायसवाल (बी.टेक चतुर्थ सेमेस्टर) ने शीर्ष 3 पुरस्कार जीते। पास के सिमलिया गांव के ग्रामीण छात्रों को भी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

04 खबर मन्त्र रांची, शनिवार 04.02.2023 रांची सिटी epaper.khabarmantra.net

इक्फाई विश्वविद्यालय में भारतीय जातीय दिवस 2023 का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भारतीय जातीय दिवस 2023 मनाया गया। इस कार्यक्रम में डॉ जीएल दत्ता, प्रतिष्ठित पूर्व चांसलर, केएल विश्वविद्यालय और पूजा लकड़ा, विजेता ग्लोबल ट्राइबल क्वीन कॉन्टेस्ट 2022 कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम का विषय था एक स्मार्ट भारतीय की तरह पोशाक और एक पुरस्कार जीतें।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने युवाओं के बीच भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से भारतीय इतिहास, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भाषा पर गर्व करने का आह्वान किया, क्योंकि ये हमें विशेष और अद्वितीय बनाते हैं। प्रो. राव ने कहा भारत विविधता का देश है, लेकिन सबसे समावेशी तरीकों से एकता का प्रतीक भी है। प्रत्येक राज्य और उसके क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और रीति-रिवाज हैं।

डॉ जीएल दत्ता ने ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की, जो मानवीय मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा को सक्षम बनाता है। पूजा लाकड़ा ने ग्लोबल ट्राइबल क्वीन 2022 प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्रों द्वारा अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एथनिक वियर राउंड, शो योर टैलेंट और जैमिंग एंड सिंगिंग जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की। एथनिक वियर राउंड में प्रतिभागियों द्वारा पंजाब, यूपी, बिहार, बंगाल, झारखंड, उड़ीसा आदि के पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन किया गया। एथनिक राउंड में, शीर्ष तीन पुरस्कार क्रमशः नेहा प्रिया (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर), सत्येंद्र पांडे (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर) और अभिमन्यु (बीबीए-एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर) को मिले। शो योर टैलेंट प्रतियोगिता में ऋतिका (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर), स्नेहा कौर (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर) और आयुष जायसवाल (बी.टेक चतुर्थ सेमेस्टर) ने शीर्ष 3 पुरस्कार जीते। पास के सिमलिया गांव के ग्रामीण छात्रों को भी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व फैकल्टी मेंबर्स शामिल हुए।

सीसीएल ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

रांची। राजधानी रांची के हाथीगोंडा में सीसीएल द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 150 ग्रामीणों के हाइपरटेंशन तथा मधुमेह की निःशुल्क जांच की गई। ज्ञातव्य हो कि सीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद के कुशल निर्देशन में अपने हितधारकों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निदान हेतु समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन करती रहती है। शिविर में डॉ.सुमन सिंह, डॉ.अरूणा हेंब्रोम, डॉ.अनिता होरो, डॉ.रजनी दीपा कुजूर तथा डॉ.नीलू कुमारी व अन्य मौजूद थे।

प्रातः आवाज राजधानी रांची शनिवार, 04 फरवरी 2023 03

इक्फाई विवि झारखंड में भारतीय जातीय दिवस 2023 का आयोजन

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में 'भारतीय जातीय दिवस 2023' मनाया गया, जिसमें सभी कार्यक्रमों के एचओडी, फैकल्टी और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर बिरसा शिशु मंदिर स्कूल, भिटटोली, सिमालिया के ग्रामीण छात्रों ने भी सुंदर पारंपरिक परिधानों में कार्यक्रन में भाग लिया। डॉ. जी. एल. दत्ता, प्रतिष्ठित शिक्षाविद और पूर्व चांसलर, के. एल. विश्वविद्यालय, और सुश्री पूज लाकड़ा, विजेता, ग्लोबल ट्राइबल क्वीन कॉन्टेस्ट 2022 कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम का विषय था ‘एक स्मार्ट भारतीय की तरह पोशाक और एक पुरस्कार जीतें। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की छात्रा सुश्री ऋतिका, बीसीए द्वितीय सेमेस्टर द्वारा दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना नृत्य प्रदर्शन के साथ हुई।

कार्यक्रम में अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने युवाओं के बीच भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने के महत्व पर प्रकाश डाला। विषय पर विस्तार से बताते हुए, उन्होंने छात्रों से भारतीय इतिहास, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भाषा पर गर्व करने का आह्वान किया क्योंकि वे हमें विशेष और अद्वितीय बनाते हैं। प्रो. राव ने कहा भारत विविधता का देश है, लेकिन सबसे समावेशी तरीकों से एकता का प्रतीक भी है। प्रत्येक राज्य और उसके क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और रीति-रिवाज हैं। हमारे छात्रों को भारत के विभिन्न राज्यों की विविध संस्कृति/वेशभूषा/रीति-रिवाजों से परिचित कराने और उन्हें भारत में विविधता में एकता की सराहना करने के लिए, हमारे विश्वविद्यालय में जातीय दिवस मनाया जा रहा है।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, डॉ. जी.एल. दत्ता ने कहा, एक ऐसे अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए बहुत खुशी हो रही है जो भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और संरक्षित करने से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों से जुड़े परिधानों में लिपटे छात्रों को देखकर अच्छा लगता है। उन्होंने ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की, जो मानवीय मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा को सक्षम बनाता है।

राष्ट्रीय नवीन मेल
रांची, शनिवार, 04 फरवरी 2023 | 04

इक्फाई विश्वविद्यालय में 'भारतीय जातीय दिवस 2023' का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में 'भारतीय जातीय दिवस 2023' मनाया गया, जिसमें सभी कार्यक्रमों के एचओडी, फैकल्टी और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर बिरसा शिशु मंदिर स्कूल, भिटटोली, सिमालिया के ग्रामीण छात्रों ने भी सुंदर पारंपरिक परिधानों में कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. जी. एल. दत्ता, प्रतिष्ठित शिक्षाविद और पूर्व चांसलर, के. एल. विश्वविद्यालय, और सुश्री पूजा लाकड़ा, विजेता, ग्लोबल ट्राइबल क्वीन कॉन्टेस्ट 2022 कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम का विषय था एक स्मार्ट भारतीय की तरह पोशाक और एक पुरस्कार जीतें। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय की छात्रा सुश्री ऋतिका, बीसीए द्वितीय सेमेस्टर द्वारा दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना नृत्य प्रदर्शन के साथ हुई। कार्यक्रम में अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने युवाओं के बीच भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने के महत्व पर प्रकाश डाला। विषय पर विस्तार से बताते हुए, उन्होंने छात्रों से भारतीय इतिहास, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भाषा पर गर्व करने का आह्वान किया क्योंकि वे हमें विशेष और अद्वितीय बनाते हैं। प्रो. राव ने कहा हभारत विविधता का देश है, लेकिन सबसे समावेशी तरीकों से एकता का प्रतीक भी है। प्रत्येक राज्य और उसके क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और रीति-रिवाज हैं। हमारे छात्रों को भारत के विभिन्न राज्यों की विविध संस्कृति/वेशभूषा/रीति-रिवाजों से परिचित कराने और उन्हें भारत में विविधता में एकता की सराहना करने के लिए, हमारे विश्वविद्यालय में जातीय दिवस मनाया जा रहा है।

पूर्वांचल सूर्य रांची, शनिवार, 4 फरवरी 2023
झारखंड 2

इक्फाई विश्वविद्यालय में 'भारतीय जातीय दिवस 2023' का आयोजन

विविधता में एकता भारत की विशिष्टता : प्रो. ओआरएस राव

विशेष संवाददाता

दैनिक भास्कर
रांची 04-02-2023

इक्फाई विवि के वीसी बोले-भारतीय इतिहास, संस्कृति, भाषा पर गर्व करें

रांची | इक्फाई विवि, झारखंड परिसर में "भारतीय जातीय दिवस 2023" मनाया गया। कार्यक्रम का विषय रखा गया था- एक स्मार्ट भारतीय की तरह पोशाक और एक पुरस्कार जीतना। अतिथि के रूप में शिक्षाविद और केएल विश्वविद्यालय के पूर्व चांसलर डॉ. जीएल दत्ता, ग्लोबल ट्राइबल क्वीन कॉन्टेस्ट 2022 की विजेता पूजा लाकड़ा आदि उपस्थित रहे। इक्फाई विवि के वीसी प्रोफेसर ओआरएस राव ने छात्रों से भारतीय इतिहास, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भाषा पर गर्व करने का आह्वान किया। डॉ. जीएल दत्ता ने कहा कि ऐसे अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए बहुत खुशी हो रही है, जो भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और संरक्षित करने से जुड़े हैं। छात्रों द्वारा अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एथनिक वियर राउंड, शो योर टैलेंट और जैमिंग एंड सिंगिंग जैसे कई कार्यक्रमों आयोजित किए गए, जिसमें सभी कार्यक्रमों के एचओडी, फैक्लटी और छात्रों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सागर विविध रांची 12

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में 'भारतीय जातीय दिवस 2023' का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में भारतीय जातीय दिवस 2023 मनाया गया, जिसमें सभी कार्यक्रमों के एचओडी, फैकल्टी और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर बिरसा शिशु मंदिर स्कूल, भिटटोली, सिमालिया के ग्रामीण छात्रों ने भी सुंदर पारंपरिक परिधानों में कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. जीएल दत्ता, प्रतिष्ठित शिक्षाविद और पूर्व चांसलर, केएल विश्वविद्यालय, और सुश्री पूजा लाकड़ा, विजेता, ग्लोबल ट्राइबल क्वीन कॉन्टेस्ट 2022 कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम का विषय था एक स्मार्ट भारतीय की तरह पोशाक और एक पुरस्कार जीतें।कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की छात्रा सुश्री ऋतिका, बीसीए द्वितीय सेमेस्टर द्वारा दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना नृत्य प्रदर्शन के साथ हुई।कार्यक्रम में अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने युवाओं के बीच भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने के महत्व पर प्रकाश डाला। विषय पर विस्तार से बताते हुए, उन्होंने छात्रों से भारतीय इतिहास, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भाषा पर गर्व करने का आह्वान किया क्योंकि वे हमें विशेष और अद्वितीय बनाते हैं। प्रो. राव ने कहा 'भारत विविधता का देश है, लेकिन सबसे समावेशी तरीकों से एकता का प्रतीक भी है। प्रत्येक राज्य और उसके क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और रीति-रिवाज हैं। हमारे छात्रों को भारत के विभिन्न राज्यों की विविध संस्कृति/वेशभूषा/रीति-रिवाजों से परिचित कराने और उन्हें भारत में विविधता में एकता की सराहना करने के लिए, हमारे विश्वविद्यालय में जातीय दिवस मनाया जा रहा है। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, डॉ. जीएल दत्ता ने कहा, 'एक ऐसे अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए बहुत खुशी हो रही है जो भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और संरक्षित करने से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों से जुड़े परिधानों में लिपटे छात्रों को देखकर अच्छा लगता है। मुझे वैश्विक मंच पर झारखंड की जनजातीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है, जिसने मुझे 2022 में भारतीय जनजातीय रानी प्रतियोगिता का विजेता बनाया। छात्रों द्वारा अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एथनिक वियर राउंड, शो योर टैलेंट और जैमिंग एंड सिंगिंग जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसकी सभी ने सराहना की। एथनिक वियर राउंड में प्रतिभागियों द्वारा पंजाब, यूपी, बिहार, बंगाल, झारखंड, उड़ीसा आदि के पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिताओं का एक जूरी द्वारा किया गया था और विजेताओं को मान्यता के पुरस्कार दिए गए थे। एथनिक राउंड में, शीर्ष तीन पुरस्कार क्रमशः सुश्री नेहा प्रिया (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर), श्री सत्येंद्र पांडे (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर) और अभिमन्यु (बीबीए-एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर) को मिले। शो योर टैलेंट प्रतियोगिता में, सुश्री ऋतिका (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर), सुश्री स्नेहा कौर (बीबीए द्वितीय सेमेस्टर) और आयुष जायसवाल (बी.टेक चतुर्थ सेमेस्टर) ने शीर्ष 3 पुरस्कार जीते। पास के सिमलिया गांव के ग्रामीण छात्रों को भी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व फैकल्टी मेंबर्स शामिल हुए।

बिहान भारत | झारखंड | रांची, शनिवार 04 फरवरी 2023 | 04

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में भारतीय जातीय दिवस का आयोजन

बिहान भारत संवाददाता।

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड परिसर में ‘भारतीय जातीय दिवस 2023’ मनाया गया, जिसमें सभी कार्यक्रमों के एचओडी, फैकल्टी और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर बिरसा शिशु मंदिर स्कूल, भिट्टटोली, सिमलिया के ग्रामीण छात्रों ने भी सुंदर पारंपरिक परिधानों में कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. जी. एल. दत्ता, प्रतिष्ठित शिक्षाविद और पूर्व चांसलर, के. एल. विश्वविद्यालय, और सुश्री पूजा लाकड़ा, विजेता, ग्लोबल ट्राइबल क्वीन कॉन्टेस्ट 2022 कार्यक्रम के दौरान सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम का विषय था ‘एक स्मार्ट भारतीय की तरह पोशाक और एक पुरस्कार जीतें।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय की छात्रा सुश्री ... दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना नृत्य प्रदर्शन के साथ हुई।

कार्यक्रम में अतिथियों, शिक्षकों और छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने युवाओं के बीच भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने के महत्व पर प्रकाश डाला। विषय पर विस्तार से बताते हुए, उन्होंने छात्रों से भारतीय इतिहास, संस्कृति, रीति- ...

आह्वान किया क्योंकि वे हमें विशेष और अद्वितीय बनाते हैं। प्रो. राव ने कहा ‘भारत विविधता का देश है, लेकिन सबसे समावेशी तरीकों से एकता का प्रतीक भी है। प्रत्येक राज्य और उसके क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और रीति-रिवाज हैं। हमारे छात्रों को भारत के विभिन्न राज्यों की विविध संस्कृति/वेशभूषा/रीति-रिवाजों से ...

विविधता में एकता की सराहना करने के लिए, हमारे विश्वविद्यालय में जातीय दिवस मनाया जा रहा है’।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, डॉ. जी.एल. दत्ता ने कहा, ‘आज ऐसे अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए बहुत खुशी हो रही है जो भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने और संरक्षित करने से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों से जुड़े परिधानों में लिपटे छात्रों को देखकर ...

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की, जो मानवीय मूल्यों के साथ गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा को सक्षम बनाता है।

सुश्री पूजा लाकड़ा ने ग्लोबल ट्राइबल क्वीन 2022 प्रतियोगिता में अपनी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया, ‘यह मेरे लिए एक भावनात्मक अवसर है। युवाओं को भारतीय संस्कृति का प्रचार करते देखना अच्छा लगता है। मुझे वैश्विक मंच पर झारखंड की जनजातीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है, जिसने मुझे 2022 में भारतीय जनजातीय रानी प्रतियोगिता का विजेता बनाया।

छात्रों द्वारा अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एथनिक विस्त राउंड, रो वेर टैलेंट और जैमिंग एंड मिमिक्री जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसकी सभी ने ...

प्रतिभागियों द्वारा पंजाब, यूपी, बिहार, बंगाल, झारखंड, उड़ीसा आदि के पारंपरिक परिधानों का प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिताओं का एक जूरी द्वारा किया गया था और विजेताओं को मान्यता के पुरस्कार दिए गए थे। एथनिक राउंड में, शीर्ष तीन पुरस्कार क्रमशः सुश्री नेहा प्रिया (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर), श्री सत्येंद्र पांडे (एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर) और श्री अभिमन्यु (बीबीए-एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर) को मिले। रैंप वॉक टैलेंट प्रतियोगिता में, सुश्री ऋतिका (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर), सुश्री स्नेहा कौर (बीसीए द्वितीय सेमेस्टर) और श्री आयुष जायसवाल (बीटेक चतुर्थ सेमेस्टर) ने शीर्ष 3 पुरस्कार जीते। पास के सिमलिया गांव के ग्रामीण छात्रों को भी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रशंसा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं ...

कैंपस जागरण
www.jagran.com | दैनिक जागरण | रांची, 10 फरवरी, 2023 | 07

इक्फाई यूनिवर्सिटी को सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए मिला पुरस्कार

जासं, रांची : इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड को राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद केंद्र सरकार के तहत एमईपीएससी (प्रबंधन और उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद) के सहयोग से महाबोधि कंसल्टिंग ग्रुप द्वारा आयोजित इंडियन सीएसआर कान्क्लेव एंड अवार्ड्स 2022 में सामाजिक आउटरीच ग्रामीण विकास के लिए, एक अकादमिक संस्थान द्वारा सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए पुरस्कार मिला। जूरी द्वारा इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड को ग्रामीण विकास में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर कार्यान्वयन के लिए ग्रामीण युवाओं को कुशल बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ झारखंड राज्य में इसकी सीएसआर पहलों की स्थिरता, विस्तार और प्रभाव जैसे कारकों पर विचार करते हुए यह पुरस्कार दिया गया है। उपलब्धि पर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का श्रेय हमारे कर्मचारियों और छात्रों को जाता है। जो हमारी विभिन्न सामाजिक आउटरीच पहलों पर काम कर रहे हैं।

इक्फाई विवि को भारतीय सीएसआर कॉन्क्लेव में सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए मिला पुरस्कार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड को राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद, भारत सरकार के तहत, एमईपीएससी (प्रबंधन और उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद) के सहयोग से महाबोधि कंसल्टिंग ग्रुप द्वारा आयोजित इंडियन सीएसआर कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2022 में सामाजिक आउटरीच ग्रामीण विकास के लिए एक अकादमिक संस्थान द्वारा सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए पुरस्कार मिला। डॉ मनीष मिश्रा, समूह प्रमुख, रणनीति, एनएसडीसी मुख्य अतिथि थे और सुश्री अनीता चौहान, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी फॉर

ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) और डॉ ओपी गोयल, सीइओ, एनएसडीसी के सलाहकार और संचालन समिति के सदस्य, प्रधान मंत्री कौशल कार्यक्रम में विकास योजना विशिष्ट अतिथि थे। जूरी द्वारा इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड को ग्रामीण विकास में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर कार्यान्वयन के लिए, ग्रामीण युवाओं को कुशल बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ झारखंड राज्य में इसकी सीएसआर पहलों की स्थिरता, विस्तार और प्रभाव जैसे कारकों पर विचार करते हुए यह पुरस्कार दिया गया। उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को बधाई देते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का श्रेय हमारे कर्मचारियों और छात्रों को जाता है, जो हमारी विभिन्न सामाजिक आउटरीच पहलों पर काम कर रहे हैं।

देशप्राण | आस-पास | शुक्रवार, रांची, 10 फरवरी, 2023 | 4
contact@deshpran.in

इक्फाई विवि को सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए मिला पुरस्कार

मुख्य संवाददाता

रांची, 9 फरवरी : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड को राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद, भारत सरकार के तहत, एमईपीएससी (प्रबंधन और उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद) के सहयोग से महाबोधि कंसल्टिंग ग्रुप द्वारा आयोजित इंडियन सीएसआर कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2022 में सामाजिक आउटरीच ग्रामीण विकास के लिए एक अकादमिक संस्थान द्वारा सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए पुरस्कार मिला। डॉ मनीष मिश्रा, समूह प्रमुख, रणनीति, एनएसडीसी मुख्य अतिथि थे और सुश्री अनीता चौहान, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) और डॉ ओ पी गोयल, सीईओ, एनएसडीसी के सलाहकार और संचालन समिति के सदस्य, प्रधान मंत्री कौशल कार्यक्रम में विकास योजना विशिष्ट अतिथि थे। जूरी द्वारा इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड को ग्रामीण विकास में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर कार्यान्वयन के लिए, ग्रामीण युवाओं को कुशल बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ झारखंड राज्य में इसकी सीएसआर पहलों की स्थिरता, विस्तार और प्रभाव जैसे कारकों पर विचार करते हुए यह पुरस्कार दिया गया। उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को बधाई देते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का श्रेय हमारे कर्मचारियों और छात्रों को जाता है, जो हमारी विभिन्न सामाजिक आउटरीच पहलों पर काम कर रहे हैं। विश्वविद्यालय, समर्पण और जुनून के साथ कॉर्प इंडिया एसआर ग्रुप के सहयोग से लागू की गई इन पहलों ने झारखंड के विभिन्न जिलों में कई ग्रामीण युवाओं के कौशल को बढ़ाने और उनकी रोजगार क्षमता में सुधार करने में मदद की, जिससे उनकी आजीविका में वृद्धि हुई। प्रोफेसर राव ने कहा यह मान्यता हमें आने वाले दिनों में अपनी सीएसआर पहल को जारी रखने और इनमें और सुधार करने के लिए प्रेरित करेगी।

दैनिक भास्कर | रांची | 10-02-2023

इक्फाई विवि : सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए मिला पुरस्कार

रांची | रांची : इक्फाई यूनिवर्सिटी को महाबोधि कंसल्टिंग ग्रुप की ओर से आयोजित इंडियन सीएसआर कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2022 में सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए पुरस्कार मिला है। ग्रामीण युवाओं को कुशल बनाने पर विशेष ध्यान देने को लेकर यह पुरस्कार दिया गया है। बधाई देते हुए, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का श्रेय हमारे स्टॉफ और स्टूडेंट्स को जाता है।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

रांची, शुक्रवार, 10 फरवरी 2023 08

इक्फाई विश्वविद्यालय को मिला पुरस्कार

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड को राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद भारत सरकार के तहत प्रबंधन, उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद के सहयोग से आयोजिक एक कॉन्क्लेव में सीआरएस में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। डॉ मनीष मिश्रा और अनीता चौहान ने संस्थान को पुरस्कार प्रदान किया। इस उपलब्धि पर विवि के कर्मचारियों व छात्रों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का श्रेय पूरे विवि परिवार को जाता है।

04 खबर मन्त्र रांची, शुक्रवार 10.02.2023 रांची सिटी epaper.khabarmantra.net

इक्फाई विवि को सीएसआर कॉन्क्लेव में सर्वश्रेष्ठ योगदान को मिला पुरस्कार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। इक्फाई विवि को भारतीय सीएसआर कॉन्क्लेव में सर्वश्रेष्ठ योगदान को पुरस्कार मिला है। राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद एमईपीएससी (प्रबंधन और उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद) के सहयोग से महाबोधि कंसल्टिंग ग्रुप द्वारा आयोजित इंडियन सीएसआर कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2022 में सामाजिक आउटरीच ग्रामीण विकास के लिए एक अकादमिक संस्थान द्वारा सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए पुरस्कार दिया गया।

डॉ मनीष मिश्रा, समूह प्रमुख, रणनीति, एनएसडीसी मुख्य अतिथि थे और सुश्री अनीता चौहान, राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) और डॉ ओ पी गोयल, सीईओ, एनएसडीसी के सलाहकार और संचालन समिति के सदस्य, प्रधान मंत्री कौशल कार्यक्रम में विकास योजना विशिष्ट अतिथि थे। जूरी द्वारा इक्फाई विवि को ग्रामीण विकास में सर्वश्रेष्ठ सीएसआर कार्यान्वयन के लिए, ग्रामीण युवाओं को कुशल बनाने पर विशेष ध्यान देने के साथ झारखंड राज्य में इसकी सीएसआर पहलों की स्थिरता, विस्तार और प्रभाव जैसे कारकों पर विचार करते हुए यह पुरस्कार दिया गया।

विवि की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को बधाई देते हुए इक्फाई विवि के वीसी प्रो ओआरएस राव ने कहा कि इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का श्रेय हमारे कर्मचारियों और छात्रों को जाता है, जो हमारी विभिन्न सामाजिक आउटरीच पहलों पर काम कर रहे हैं। विश्वविद्यालय, समर्पण और जुनून के साथ बॉश इंडिया एसआर ग्रुप के सहयोग से लागू की गई इन पहलों ने झारखंड के विभिन्न जिलों में कई ग्रामीण युवाओं के कौशल को बढ़ाने और उनकी रोजगार क्षमता में सुधार करने में मदद की, जिससे उनकी आजीविका में वृद्धि हुई। प्रोफेसर राव ने कहा कि यह मान्यता हमें आने वाले दिनों में अपनी सीएसआर पहल को जारी रखने और इसमें और सुधार करने के लिए प्रेरित करेगी।

प्रभात खबर

रांची, शुक्रवार 10.02.2023 | 09

इक्फाइ विवि को मिला पुरस्कार

रांची. इक्फाइ विवि, झारखंड को सामाजिक आउटरीच ग्रामीण विकास के लिए सीएसआर में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया. यह पुरस्कार इंडियन सीएसआर कॉन्क्लेव एंड अवार्ड-2022 में दिया गया. महाबोधि कंसल्टिंग ग्रुप ने यह अवार्ड दिया. डॉ मनीष मिश्रा, आइएसटीडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीता चौहान और सीइओ, डॉ ओपी गोयल ने पुरस्कृत किया. वीसी प्रो ओआरएस राव ने कहा कि इस पुरस्कार का श्रेय विवि के कर्मियों व छात्रों को जाता है.

04 खबर मन्त्र रांची, शनिवार 18.02.2023

इक्फाई विवि में 'प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि : चुनौतियां और अवसर' पर सम्मेलन

रांची। नाबार्ड के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में 'प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि : चुनौतियां और अवसर' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों डॉ. रमेश मित्तल, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर, विष्णु परीदा, मुख्य परिचालन अधिकारी, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, जय निगम, उप महाप्रबंधक, नाबार्ड, रांची क्षेत्रीय कार्यालय, प्रदीप हजारी, विशेष सचिव, कृषि, झारखंड सरकार शामिल थे। सम्मेलन के दौरान पूरे भारत के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, छात्रों और नीति निमार्ताओं के 40 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, प्राकृतिक खेती एक रासायनिक मुक्त कृषि प्रणाली है, जो पशुधन और स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों पर आधारित है और वैदिक काल से भारत में प्रचलित थी। मानव

प्राकृतिक खेती से मिलेगा लाभ

सेमिनार में मंच पर उपस्थित अतिथि.

रांची. राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर के निदेशक डॉ रमेश मित्तल ने कहा है कि प्राकृतिक खेती लागत प्रभावी कृषि पद्धति है. कोविड-19 महामारी ने लोगों के भोजन की आदतों को बदल दिया, जो प्रतिरक्षा और स्वाद के विचारों के कारण प्राकृतिक खेती की उपज को पसंद करते हैं. इससे प्राकृतिक खेती करनेवाले किसानों को फायदा हुआ. डॉ मित्तल शुक्रवार को इक्फाइ विवि और नाबार्ड के तत्वावधान में प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि : चुनौतियां और अवसर विषय पर सेमिनार में बोल रहे थे. झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के अधिकारी विष्णु परिदा और नाबार्ड जीएम जय निगम ने भी विचार रखे.

प्रभात खबर Sat, 18 February 2023 https://epaper.prabhatkhabar.com

the pioneer

RANCHI I SATURDAY IFEBRUARY 18, 2023

National conference at ICFAI University

A two day National Conference on “Enhancing Farmers Income through Natural Farming: Challenges and Opportunities” was organized at ICFAI University, Jharkhand in collaboration with NABARD. Special guests present in the inaugural session were Dr. Ramesh Mittal, Director, National Agricultural Marketing Institute, Jaipur, Bishnu Parida, Chief Operating Officer, Jharkhand State Livelihood Promotion Society, Jai Nigam, Deputy General Manager, NABARD, (Ranchi Regional Office) and Pradeep Hazari, Special Secretary, Agriculture, Government of Jharkhand.

पूर्वांचल सूर्य रांची, शनिवार, 18 फरवरी 2023 झारखंड 2

इक्फाई विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि: चुनौतियां और अवसर विषयक सम्मेलन आयोजित

प्राकृतिक खेती लागत प्रभावी कृषि पद्धति : डॉ रमेश मित्तल

सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए भगवत पुरस्कार

قدرتی کاشتکاری کیمیکل فری فارمنگ سسٹم: پروفیسر راؤ

ICFAI یونیورسٹی میں 'قدرتی کاشتکاری کے ذریعے کسانوں کی آمدنی میں اضافہ چیلنجز اور مواقع موضوع پر کانفرنس کا انعقاد

عوامی نیوز ، نمائندہ

رانچی: ICFAI یونیورسٹی، جھارکھنڈ میں NABARD کے تعاون سے "قدرتی کاشتکاری کے ذریعے کسانوں کی آمدنی میں اضافہ، چیلنجز اور مواقع" ...

राष्ट्रीय सागर विविध 12

प्राकृतिक खेती रसायन मुक्त कृषि प्रणाली : प्रो.ओआरएस राव

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : नाबार्ड के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि : चुनौतियां और अवसर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों डॉ.रमेश मित्तल, निदेशक, राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान, जयपुर, बिष्णु परीदा, मुख्य परिचालन अधिकारी, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, जय निगम, उप महाप्रबंधक, नाबार्ड, (रांची क्षेत्रीय कार्यालय) व प्रदीप हजारी, विशेष सचिव, कृषि, झारखंड सरकार शामिल थे।

सम्मेलन के दौरान पूरे भारत के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, छात्रों और नीति निर्माताओं के 40 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने कहा कि प्राकृतिक खेती एक रासायनिक मुक्त कृषि प्रणाली है, जो पशुधन और स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों पर आधारित है और वैदिक काल से भारत में प्रचलित थी। मानव हस्तक्षेप के बिना, पत्तियों के पुनर्चक्रण द्वारा मिट्टी के नवीकरण के माध्यम से जंगलों में पेड़ कैसे उगते हैं, इस पर हमारे ऋषियों का शोध प्राकृतिक कृषि प्रणाली का आधार है। 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गाय के मूत्र, गोबर, गुड़ और बेसन से खेत में ही बनने वाले जीवामृत और बीजामृत नामक जैव-जीवों को मिलाकर मिट्टी को समृद्ध बनाया जा सकता है। चूंकि यह सस्ता है, खेती की लागत कम होगी, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। यह उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद है, क्योंकि यह रसायन मुक्त पौष्टिक भोजन प्रदान करता है। प्राकृतिक खेती भी जल संरक्षण और मिट्टी की बहाली के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा करती है। इतने सारे लाभों के साथ, प्राकृतिक खेती भारतीय खेती का भविष्य है। प्रोफेसर राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान एक मिशन मोड में प्राकृतिक खेती को लागू करने का आह्वान किया है। भारत सरकार और राज्यों की विभिन्न पहलों के कारण, 2022-23 के दौरान, 15 राज्यों में, जिसमें झारखंड भी शामिल है, 10 लाख हेक्टेयर से अधिक प्राकृतिक खेती के तहत कवर किया गया है।

राष्ट्रीय नवीन मेल

इक्फाई विवि. में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नाबार्ड के सहयोग से इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड में 'प्राकृतिक खेती के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धिः चुनौतियां और अवसर॰ पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओआरएस राव ने कहा, प्राकृतिक खेती एक रासायनिक मुक्त कृषि प्रणाली है, जो पशुधन और स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों पर आधारित है और वैदिक काल